



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 241]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 6, 2003/आश्विन 14, 1925

No. 241]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 6, 2003/ASVINA 14, 1925

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2003

निधन-सूचना

सं. 3/4/2003-पब्लिक.—राष्ट्रपति को यह दुःखद सूचना प्राप्त हुई है कि राजस्थान के राज्यपाल श्री निर्मल चन्द्र जैन का दिनांक 22-9-2003 को प्रातः 02.07 बजे एस.एम.एस. अस्पताल, जयपुर में निधन हो गया है। श्री निर्मल चन्द्र जैन के निधन से देश ने एक प्रतिष्ठित वकील एवं जानी-मानी हस्ती खो दी है।

2. श्री निर्मल चन्द्र जैन का जन्म 24 सितम्बर, 1928 को जबलपुर, मध्य प्रदेश में हुआ था। आप विधि स्नातक थे और अर्थशास्त्र में आपने स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की थी। उन्होंने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय (जबलपुर) में वर्ष 1951 से अधिवक्ता के रूप में कार्य करना शुरू किया। आप एक मुखर वक्ता थे और अधिवक्ता के रूप में आपको मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों ही उच्च न्यायालयों में काम करने की विशिष्टता हासिल थी। संवैधानिक और अन्य कानूनी मामलों में उन्हें विशेषज्ञ माना जाता था। इसके अतिरिक्त उन्हें सामाजिक कार्यों और खेल-कूद में भी रुचि थी।

3. आप 1977 से 1979 तक सिवानी (मध्य प्रदेश) निर्वाचन क्षेत्र से छठी लोक सभा के सदस्य चुने गए थे। आपको 1990 से 1992 तक मध्य प्रदेश का महाधिवक्ता नियुक्त किया गया था। आपने जुलाई 1998 से जुलाई 2000 तक भारत के 11वें वित्त आयोग के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। आपने 14 मई 2003 को राजस्थान के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला था।

4. आप अपने पीछे अपनी पत्नी और चार बच्चे छोड़ गए हैं।

नी. गोपालास्वामी, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2003

OBITUARY

No. 3/4/2003-Public.—The President has learnt, with deep regret, of the sad demise of Shri Nirmal Chandra Jain, Governor of Rajasthan, at 02.07 AM on 22-9-2003 at SMS Hospital, Jaipur. The death of Shri Nirmal Chandra Jain has deprived the country of a distinguished lawyer and an outstanding public figure.

2878 GI/2003

(1)

2. Born at Jabalpur, Madhya Pradesh on 24th September, 1928, Shri Nirmal Chandra Jain was a law graduate and had Master's Degree in Economics. He started his practice as an Advocate in the Madhya Pradesh High Court (Jabalpur) in the year 1951. He was a brilliant orator and as an advocate, he had the distinction of practicing both in Madhya Pradesh and Chhattisgarh High Courts. He was known as a specialist in Constitutional and other legal matters. Besides, he was keenly interested in social activities and sports.

3. He was a member of the sixth Lok Sabha from Sivni (Madhya Pradesh) constituency for the period from 1977 to 1979. He was appointed as Advocate General of Madhya Pradesh from 1990 to 1992. He also served as a member of 11th Finance Commission of India from July 1998 to July 2000. He assumed the charge of Governor of Rajasthan on 14th May 2003.

4. He is survived by his wife and four children.

N. GOPALASWAMI, Home Secy.